कान्हा ने मारी भर पिचकारी | By Rehan Khan

दौड़ो रे दौड़ो रे आये कन्हाई
भर भर लाये पिचकारी
भर भर पिचकारी कान्हा ने मारी
इंद्रधनुष बनी गोपियन की सारी
बनवारी चंचल हैं बांके बिहारी
भर भर लाये पिचकारी
कान्हा भर लाये पिचकारी

राधा भी आई विशाखा भी आई
चित्रा के संग में ललिता भी आई
हाथों में लट्ठ लेके बारी
भर लाये पिचकारी
भर भर पिचकारी कान्हा ने मारी
इंद्रधनुष बनी गोपियन की सारी
बनवारी चंचल हैं बांके बिहारी
भर भर लाये पिचकारी
कान्हा भर लाये पिचकारी

रंग अबीर और फूल लाडू से
खेलत होली कृष्ण राधा जू से
खावत थारी बारी बारी
भर लाये पिचकारी
भर भर पिचकारी कान्हा ने मारी
इंद्रधनुष बनी गोपियन की सारी
बनवारी चंचल हैं बांके बिहारी
भर भर लाये पिचकारी
कान्हा भर लाये पिचकारी

हो गया लालम लाल गगन भी
राधा संग नाचे मोहन भी
करत हंसी और ठिठोरी
भर लाये पिचकारी
भर भर पिचकारी कान्हा ने मारी
इंद्रधनुष बनी गोपियन की सारी
बनवारी चंचल हैं बांके बिहारी
भर भर लाये पिचकारी
कान्हा भर लाये पिचकारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ad%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a4%bf%e0%a4%9a%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-r/